# RAJYA SABHA

Thursday, the 9th September, 1965/ 18th *Bhadra,* 1887 *(Saka)*

The House met at ten of the clock.. MR. CHAIRMAN in the Chair.

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*297. *[The questioner (Shri B, N. Bhargava) was absent. For answer,* vide cols. 3354—60 infra.]

### REGISTRATION OF FIRMS WITH ENGINEERING EXPORT PROMOTION

•501. SHRI JAGAT NARAIN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that business firms which export Indian engineering goods to foreign countri< s with prior permission from the State Trading Corporation are required to get themselves registered with the Engineering Export, Promotion Council, New Delhi;

(b) if so, whether it has come to the notice of Government, that the firms are put to unnecessary harassment by the Council by rejection of the applications of firms for registration particularly at the time of execution of orders resulting in loss to firms and to exports; and

(c) if so, the steps taken by Government in this respect?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) Registration with the Engineering Export Promotion Council is compulsory for all exporters of engineering goods who wish to avail of the facilities under the Engineering Export Pn -motion Scheme.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.



श्री जगत नारायन : क्या वजीर महोदय बतलायेंगे कि जालन्धर की एक फर्म इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन को मोम्बासा में भेजने के लिए स्टेट कारपोरेशन ने इजाजत दे दी थी कि 48,000 आइरन प्रेस सप्लाई कर सकता है जिसके लिए 2 लाख रुपया उनको एक्सचेंज मिला था । उनको आर्डर मिला फरवरी, 1965 में । 5 मार्च को उन्होंने एप्लाई किया इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल को कि इस तरह का हमें माल भेजना है सप्लाई करने के लिए, आप हमें रजिस्टर कर लें । सितम्बर तक उनको कुछ जवाब नहीं मिला कि आप को रजिस्टर करने वाले हैं या नहीं। तो फिर सितम्बर में उन्होंने 1800 आइरन प्रेसेज मोम्बासा भेज दीं और जब उन्होंने बम्बई से माल रवाना किया तो उस वक्त उनको इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट कारपोरेशन ने लिखा . . .

श्री सभापति : यह तो लम्बा किस्सा ह ।

श्री जगत नारायण : कि आपको हम रजिस्टर नहीं कर सकते । ऐसा क्यों हुआ ?

श्री मनुभाई शाह : ऐसा इसलिए होता है कि जिस फर्म के माल को पक्के तरीके से जांच नहीं होती उनको रजिस्ट्रेशन नहीं दिया जाता । जब कोई फर्म रजिस्ट्रेशन चाहती है तो उसके माल को पूरी तरह से टेस्ट किया जाता है क्योंकि इंजीनियरिंग गुड्स के बारे में बाहर के मुल्कों में हम अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने की कोशिश करते हैं ।

श्री जगत नारायण : मोम्बासा से एक प्रेस का जो सेम्पिल भेजा गया था उसे ट्रेड कारपोरेशन ने एप्रवल दिया था ।

श्री मनुभाई शाह : एप्रूवल से कुछ नहीं होता । इस पर हमारी प्रतिष्ठा डिपेंड करती ह । सैम्पिल अच्छा भी हो सकता है या बुरा भी । मैं म ननीय सदस्य से विनती करूंगा कि ऐसे लोग जो रजिस्ट्रेशन चाहते हैं उनसे कहें कि सारी फारमेलिटीज से पहले गुजर लिया करें ।

SHBI A. D. MANI: Sir, there is a reference to tobacco and tobacco products being exported to the United States . . .

SHRI MANUBHAI SHAH: Sir, this relates to the export of engineering goods.

SHRI ARJUN ARORA: May I know if the Government or the Export Promotion Council have laid down certain fool-proof tests which the firms have to satisfy before they are registered?

SHRI MANUBHAI SHAH: They are wise tests; I do not know whether they are fool-proof. We do see to it that all normal conditions of trade and merchandise are fulfilled before exporters are registered but there is always the possibility of an odd man here or there violating them for which there are punishments.

श्री रामकुमार भुवालका : क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि जब माल के एक्सपोर्ट का बन्दोबस्त किया जाता है उस वक्त जो माल का इन्सपेक्शन करते हैं, वे पोर्ट पर करते हैं या माल के डिलीवर होने के बाद करते हैं।

श्री मनुभाई शाह : पहले हम फैक्टरी में खुद करते हैं क्योंकि इंजीनियरिंग प्राडक्ट्स के बारे में हम कोई रिस्क नहीं ले सकते हैं और फैक्टरी में क्वालिटी कण्ट्रोल न हो तो बाहर पोर्ट पर पेकेजेज को तोड़ना अच्छा भी नहीं लगता और लाभप्रद भी नहीं। इसके बाद रेन्डम सेम्पलिंग करके क्वालिटी मार्क दिया जाता है।

SHRI SANTOKH SINGH: May I know what is the total turnover of engineering goods exported, especially in respect of the dollar area?

SHRI MANUBHAI SHAH: Well, Sir, I do not have the break-up but most of the engineering exports are done in the free currency areas. Now there is nothing like dollar area or sterling area because all the currencies are convertible. And we have exceeded the target this year. The Council, particularly in the case of engineering goods, is exporting more than Rs. 21 crores worth of goods.

श्री रामकुमार भुवालका : क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि जब माल का इन्सपेक्शन होता है तो उसमें कितने परसेंट रिजेक्ट होता है और कितने परसेंट पास होता है ?

श्री मनुभाई शाह : इसका कोई परसेंटेज नहीं होता। जो रिजेक्ट होता है उसको भेजने नहीं देते। चूंकि अब लोग समझ गए हैं दो साल से इस बारे में कड़ी कार्यवाही होती है, इसलिए रिजेक्शन बहुत कम होता है।

श्री जगत नारायण : क्या वजीर साहिब बतलायेंगे कि उनके नोटिस में ऐसी कोई फर्म्स हैं जिनके गुड्स को क्वालिटी मार्क नहीं किया हुआ था लेकिन उन्होंने बाहर माल एक्सपोर्ट किया है ?

श्री मनुभाई शाह : हमारी नजर में तो ऐसी फर्म्स नहीं हैं। जैसा कि अभी कहा गया, बिना इन्सपेक्शन के हम माल बाहर नहीं भेजने देते।

### TO PAY PARCEL' SYSTEM

*502. PROF. SATYAVRATA SIDDHANTALANKAR; Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) since when 'TO PAY PARCEL' system has been abolished for booking of goods; and

(b) whether Government are aware of the difficulties that the business community has been put to, due to this new arrangement?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) ; (a) From 1st April, 1964, all parcels booked for distances upto 500 kilometres are required to be booked 'Paid' an<j not 'To Pay'.